Literacy for a Billion

Movie: Anari
Year: 1975

Song: Tere Bagair Jane Jana
Lyricist: Majrooh Sultanpuri

तेरे बग़ैर जानेजानाँ
सोचता हूँ यही मैं दीवाना
हाय
तेरे बग़ैर जानेजानाँ
सोचता हूँ यही मैं दीवाना
कि अकेला मैं
जीऊँगा कैसे

तेरे बग़ैर जानेजानाँ
सोचता हूँ यही मैं दीवाना
कि अकेला मैं
जीऊँगा कैसे

तेरे बग़ैर जानेजानाँ
सोचता हूँ यही मैं दीवाना

ये पलकें जिनमें हैं
मेरे सपने
ये पलकें जिनमें हैं
मेरे सपने
ये लब जो लगते हैं
मेरे अपने
इनको मैं गँवा दूँगा
हो तो रहूँगा
कैसे कैसे कैसे

तेरे बग़ैर जानेजानाँ
सोचता हूँ यही मैं दीवाना

फिरूँगा हो हो के मैं परीशाँ
फिरूँगा हो हो के मैं परीशाँ
छुपाए आँखों में लाख तूफ़ाँ
ग़म के इन तूफ़ानों को
हो मैं पीऊँगा
कैसे कैसे कैसे

तेरे बग़ैर जानेजानाँ
सोचता हूँ यही मैं दीवाना

ग़ज़ब है जीवन की तेज़ धारा
ग़ज़ब है जीवन की तेज़ धारा
छुआ दे लहरें तो संग हमारा
मैं तनहा किनारे तक
हो पहुँचूँगा
कैसे कैसे कैसे

तेरे बग़ैर जानेजानाँ
सोचता हूँ यही मैं दीवाना
कि अकेला मैं
जीऊँगा कैसे

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.